आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 93 | उज्जैन, रविवार 23 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

नई एमएसएमई नीति से प्रदेश के औद्योगीकरण की राह हुई आसान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के समग्र विकास के लिये निरंतर नई सोच के साथ परिश्रम कर रहे हैं। उनका प्रदेश के प्रति प्रेम और समर्पण आज मध्यप्रदेश के विकास की नई गाथा लिखने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समग्र विकास को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 'मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति-2025' के क्रियान्वयन को मंजूरी दी। इससे प्रदेश में आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को नई गति मिलेगी।

मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति-2025 में निवेश पर 40त तक की सहायता, नए उद्योगों में नवकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन, अनुसूचित जाति/जनजाति, महिला उद्यमी इकाई को 48त की सहायता और पिछड़े विकासखण्डों में 1.3 गुना सहायता का प्रावधान किया गया है। निर्यात को प्रोत्साहित किया जायेगा। निर्यातक इकाई को निवेश पर 52त तक की सहायता, निर्यात हेतु माल ढुलाई पर अधिकतम 2 करोड़ रुपए की सहायता के साथ निर्यात के लिये प्रमाण पत्र पर 50 लाख रुपए की सहायता दी जायेगी। मध्यम इकाई को 100 से अधिक रोजगार देने पर डेढ़ गुना अनुदान दिया जाएगा। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रति कर्मचारी 5000 रुपए प्रति माह 5 वर्ष तक मदद की जाएगी। इसके साथ ही कौशल विकास प्रशिक्षण हेतु 13000 रुपए की सहायता का भी नीति में प्रावधान किया गया है।

एमएसएमई नीति में सेवा क्षेत्र में पहली बार सहायता देने के प्रबंध किये गये हैं। इसमें लॉजिस्टिक, रिसाइक्लिंग, मोटर यान स्क्रेपिंग के साथ आर एंड डी शामिल है। मेडिकल डिवाइस और फुटवियर के लिए पहली बार विशेष पैकेज भी दिया गया है। नीति में नवीन क्षेत्र को सहायता देने का भी प्रावधान किया गया है। इसमें एमएसएमई एक्सचेंज, लीन इंजीनियरिंग, टेस्टिंग लैब, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर हेतु सहायता भी मिलेगी।

मध्यप्रदेश एमएसएमई को औद्योगिक भूमि एवं भवन आवंटन तथा प्रबंधन नियमों में सशोधन भी किये जा रहे हैं। संशोधन अनुसार विकसित किए जाने वाले औद्योगिक भू-खंडों का आबंटन ÷पहले आओ-पहले पाओ÷ के स्थान पर ई-बिडिंग अब फ्लैटेड इंडस्ट्रियल एरिया और कॉम्पलेक्स का निर्माण और आबंटन का नवीन प्रावधान किया गया है। इन संसाधनों के बाद भूमि का आबंटन सरल, पारदर्शी एवं ऑनलाइन तरीके से त्वरित गति से हो सकेगा। इस नीति के तहत निवेशकों को व्यापक सहायता प्रदान करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। इससे प्रदेश में छोटे और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) के विस्तार को नई ऊर्जा मिलेगी।

पाकिस्तान के श्रीकटास राज मंदिर के लिए दर्शन करने जाएंगे भारतीय, 154 श्रद्धालुओं को मिला वीजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग ने शुक्रवार को कहा कि उसने 154 भारतीय श्रद्धालुओं को श्री कटास राज मंदिर की यात्रा करने के लिए वीजा जारी किया है। यह मंदिर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित है।

धार्मिक स्थलों की यात्रा पर 1974 के पाकिस्तान-भारत प्रोटोकाल के तहत हर वर्ष हजारों भारतीय तीर्थयात्री विभिन्न धार्मिक उत्सवों में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जाते हैं।

154 श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया गया है- पाकिस्तानी उच्चायोग ने कहा कि चकवाल जिले में स्थित पवित्र श्री कटास राज मंदिर की यात्रा के लिए 154 श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया गया है। यह यात्रा 24 फरवरी से दो मार्च तक चलेगी। भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त साद अहमद वराइच ने तीर्थयात्रियों को शुभकामनाएं दीं।

एक बयान में कहा गया, उन्होंने पुष्टि की कि पाकिस्तान सरकार अंतरधार्मिक सद्भाव और आपसी समझ को बढ़ावा देने की अपनी नीति के अनुसार ऐसी यात्राओं की सुविधा देना जारी रखेगी।

कभी हिंदू बाहुल्य था पाकिस्तान स्थित श्री कटासराज मंदिर का क्षेत्र- बहुत कम लोग जानते होंगे कि विभाजन से पहले श्री कटासराज मंदिर के आसपास का क्षेत्र हिंदू बाहुल्य हुआ करता था। हालांकि विभाजन के बाद सभी हिंदू विस्थापित हो गए।

बीबीसी इंडिया पर बड़ा एक्शन, ED ने लगाया 3 करोड़ से ज्यादा का जुर्माना; तीनों डायरेक्टर भी फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन मामले में ईडी ने बीबीसी वर्ल्ड सर्विस इंडिया पर 3,44,48,850 रुपये की पेनाल्टी लगाई है। इसके साथ ही उस समय कंपनी के आपरेशंस को देख रहे तीनों निदेशकों पर अलग-अलग 1,14,82,950 रुपये की पेनाल्टी लगाई है।

विदेशी निवेश नियमों का किया उल्लंघन- बीबीसी वर्ल्ड सर्विस इंडिया पर डिजिटल मीडिया में 26 प्रतिशत विदेशी निवेश की सीमा का नियम लगाने के बाद भी सौ प्रतिशत विदेशी निवेश जारी रखने का आरोप है। ईडी की ओर से 21 फरवरी को जारी आदेश के अनुसार, बीबीसी वर्ल्ड सर्विस इंडिया पर पेनाल्टी नहीं जमा करने की स्थिति में प्रतिदिन पांच हजार रुपये के जुर्माने का प्रविधान है। यह जुर्माने की राशि 15 अक्टूबर, 2021 से ली जाएगी।

जानबूझकर 100 प्रतिशत विदेशी निवेश जारी रखा- दरअसल, डिपार्टमेंट आफ प्रमोशन आफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड ने 18 सितंबर, 2019 को प्रेस नोट जारी कर डिजिटल मीडिया में विदेशी निवेश की सीमा 26 प्रतिशत निर्धारित किए जाने की जानकारी दी थी।

तेलंगाना में बड़ा हादसा, सुरंग की छत का एक हिस्सा ढहा; कई मजदूरों के फंसे होने की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में एक निर्माणाधीन सुरंग का हिस्सा ढहने से बड़ा हादसा हुआ है। राज्य के नागरकुरनूल जिले में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) की सुरंग की छत का एक हिस्सा ढह गया, जिसमें छह से 8 मजदूर फंसे होने की आशंका है।

8 मजदूर फंसे होने की आशंका- पुलिस ने बताया कि निर्माण कंपनी की टीम आकलन के लिए सुरंग के अंदर गई है और उसने पुष्टि की है कि मजदूर फंसे हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि काम में लगी कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार छह से आठ श्रमिकों के फंसे होने की आशंका है।

अधिकारी ने कहा, घटना तब हुई जब कुछ श्रमिक काम के सिलसिले में अंदर गए थे, तभी सुरंग के 12-13 किलोमीटर अंदर छत गिर गई।

एक्शन में सीएम, अधिकारियों को दिए निर्देश हालांकि, मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में संख्या बताए बिना संकेत दिया गया है कि कुछ लोग घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों को राहत कार्य के लिए घटनास्थल पर पहुंचने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, राज्य के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी, सिंचाई मामलों के सरकारी सलाहकार आदित्यनाथ दास और अन्य सिंचाई अधिकारी विशेष हेलीकॉप्टर से घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

तमिलों ने भाषा के लिए जान गंवाई है, इससे खिलवाड़ न करें, MNM के स्थापना दिवस पर बोले कमल हासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक्टर से नेता बने कमल हासन ने शुक्रवार को चेन्नई में अपनी पार्टी मक्कल नीधि मैयम (एमएनएम) के 8वें स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने भाषण के दौरान उन्होंने भाषाई गौरव के महत्व पर जोर दिया। शुक्रवार को हासन ने चेन्नई में एमएनएम मुख्यालय में पार्टी का झंडा फहराया।

कमल हासन ने अपने संबोधन में कहा कि तमिलों ने एक भाषा के लिए अपनी जान गंवाई है। उन चीजों के साथ मत खेलो। तमिलों, यहां तक कि बच्चों को भी पता है कि उन्हें किस भाषा की जरूरत है। उन्हें यह चुनने का ज्ञान है कि उन्हें किस भाषा की जरूरत है।

हिंदी थोपने वाले विवाद में कूदे हासन- हासन ने तमिलों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में भी जिक्र किया। उन्होंने हिंदी को थोपे जाने के खिलाफ तमिलनाडु के ऐतिहासिक संघर्ष का उल्लेख किया और उन लोगों को चेतावनी दी जो भाषा के मुद्दों को हल्के में ले सकते हैं।

राजनीतिक करियर को लेकर क्या बोले हासन- इस कार्यक्रम में अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की आलोचना को भी स्वीकार किया। हासन ने अपनी यात्रा पर विचार करते हुए स्वीकार किया कि वे राजनीति में पहले आ सकते थे।

कमल हासन ने कहा कि मुझे लगता है कि मैं इसलिए हार गया क्योंकि मैंने राजनीति में बहुत देर से प्रवेश किया।

केरल में भीषण सड़क हादसा, गहरी खाई में गिरी जीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के इडुक्की जिले में एक जीप के अनियंत्रित होकर खाई में गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान बोस (55), उनकी पत्नी रीना (48) और वाहन चला रहे अब्राहम (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मृतक रीना ओलंपियन के एम बीनामोल और के एम बीनू की बड़ी बहन थीं। हादसा शुक्रवार रात करीब 10.30 बजे हुआ जब दंपति मुल्लाक्कनम में एक रिश्तेदार के घर से लौट रहे थे।

आरएसएस की वजह से मैं मराठी सीख पाया, संघ की तारीफ में और क्या बोले पीएम मोदी?

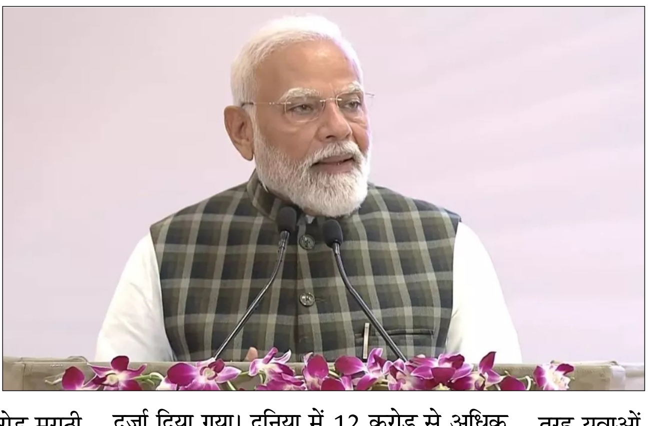

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की खूब तारीफ की। पीएम ने कहा कि संघ की वजह से ही मैंने मराठी भाषा सीखी और संस्कृति से जुड़ने का मौका मिला।

12 करोड़ लोगों की इच्छा हुई पूरी- प्रधानमंत्री ने आरएसएस का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान ही मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया, ये एक बड़ी उपलब्धी है। पीएम ने कहा कि इसका दुनिया भर में 12 करोड़ मराठी भाषी लोग इंतजार कर रहे थे।

पीएम मोदी ने विज्ञान भवन में 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, संघ की वजह से ही मैं मराठी भाषा और संस्कृति से जुड़ पाया। कुछ महीने पहले ही मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया। दुनिया में 12 करोड़ से अधिक लोग मराठी बोलते हैं। मुझे मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का अवसर मिला और मैं इसे अपना सौभाग्य मानता हूं।

सांस्कृतिक यज्ञ करने में लगा है आरएसएस- मराठी संस्कृति और भाषा सीखने का श्रेय आरएसएस को देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि संघ युवाओं को भारत की संस्कृति का उपदेश देने के लिए सांस्कृतिक यज्ञ करने में लगा हुआ है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि यह सम्मेलन छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक के 350 वर्ष पूरे होने पर आयोजित किया जा रहा है। मुझे एक मराठी भाषी व्यक्ति भी याद है, जिसने लगभग 100 वर्ष पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। आरएसएस अपनी शताब्दी मना रहा है और साथ ही विवेकानंद की तरह युवाओं को भारत की संस्कृति का उपदेश देने के लिए सांस्कृतिक यज्ञ भी कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मराठी साहित्य सम्मेलन किसी भाषा या राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्रता के संघर्ष का सार दर्शाता है। यह महाराष्ट्र और देश की सांस्कृतिक विरासत को समेटे हुए है।

पहली पीढ़ी का भारतीय बच्चा करेगा कानून प्रवर्तन का नेतृत्व, FBI चीफ की शपथ लेने के बाद बोले काश पटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को भारतीय मूल के काश पटेल ने फेडरल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टिगेशन के डायरेक्टर पद की शपथ ली। इस दौरान उन्होंने भारत से कनेक्शन के बारे में भी बात की और साथ ही उन्होंने अमेरिकन ड्रीम का भी जिक्र किया।

बता दें, काश पटेल ने भागवत गीता पर हाथ रखकर शपथ ली। इस दौरान उनके साथ उनकी प्रेमिका खड़ी थी और उनके परिवार के सभी लोग सामने की कुर्सियों पर बैठे हुए थे। इस दौरान काश पटेल ने कहा, अगर किसी को लगता है कि अमेरिकन ड्रीम अब खत्म हो चुका है, तो उन्हें मुझे देखना चाहिए। मैं फर्स्ट जनरेशन भारतीय बच्चा हूं, जो अमेरिका जैसे महान देश में अब कानून प्रवर्तन का नेतृत्व करेगा।

उन्होंने कहा, अमेरिकन ड्रीम का मतलब है कि अगर कोई लगन के साथ कड़ी मेहनत करेगा तो यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरका में उसके सारे सपने पूरे होंगे। इस दौरान काश पटेल ने अपने कार्यकाल में एफबीआई के अंदर और बाहर जवाबदेही सुनिश्चित करने का वादा किया।

अमेरिकी मीडिया पर काश पटेल का निशाना- काश पटेल ने अमेरिकी मीडिया पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि, उनके खिलाफ फर्जी, दुर्भावनापूर्ण, निंदनीय और अपमानजनक सामग्री लिखी गई है।

काश पटेल ने कहा, मैं जानता हूं मीडिया यहां और आपका एक टार्गेट है और वो टार्गेट यहीं है। एफबीआई में महिला और पुरुष जैसी कोई बात नहीं है। आपने मेरे बारे में जो भी लिखा है वो फर्जी, दुर्भावनापूर्ण, निंदनीय और अपमानजनक है। आप अपने काम को जारी रखें, लेकिन एफबीआई में महिला और पुरुष जैसी बातों को छोड़ दें।

देशभर में बढ़ रही अपराध की घटनाओं को देखते हुए काश पटेल ने आश्वासन दिया कि उनका प्रशासन इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा, पिछले साल एक लाख लोगों के साथ बलात्कार हुआ, एक लाख लोगों की ड्रग ओवरडोज की वजह से मौत हुई और 17 हजार लोगों की हत्या हुई।

तेल अवीव को मिट्टी में मिला देंगे, ईरान ने दी ऑपरेशन चलाने की धमकी; इजरायल ने भी दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच मिसाइलों की जंग के बाद अब जुबानी जंग छिड़ गई है। दोनों देश अब एक दूसरे को खुलकर धमकी दे रहे हैं और हमला करने की बात कह रहे हैं।

ईरान और इजरायल में जुबानी जंग छिड़ी- ईरान और इजरायल के टॉप सैन्य और राजनीतिक अधिकारी एक बार फिर युद्ध छेड़ने जैसी धमकियां दे रहे हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के जनरल इब्राहिम जब्बारी ने घोषणा की है कि ईरान ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3 के तहत

इजरायल को मिट्टी में मिला देगा।

ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3 इजरायल को नष्ट करेगा- मेजर जनरल जब्बारी ने चेतावनी दी कि ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3 सही समय पर, सटीकता के साथ और इजरायल को नष्ट करेगा और तेल अवीव और हाइफा को जमींदोज कर देगा।

इजरायली मंत्री बोले- हम तैयार हैं- उधर, इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सा आर ने जवाब देते हुए कहा, यदि यहूदी लोगों ने इतिहास से कुछ सीखा है, तो वह यह है यदि आपका दुश्मन कहता है कि उसका लक्ष्य आपको नष्ट करना है तो उस पर विश्वास करें। हम तैयार हैं।

जब्बारी की टिप्पणी उच्च रैंकिंग वाले IRGC अधिकारियों की ओर से एक सप्ताह में तीसरी ऐसी धमकी है। आईआरजीसी के डिप्टी कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अली फदवी और आईआरजीसी के एयरोस्पेस फोर्स के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल आमिर अली हाजीजादेह ने भी ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3 के तहत इजरायल को नष्ट करने की कसम खाते हुए इसी तरह के बयान जारी किए हैं।

एक्शन पर एक्शन, ट्रंप ने अब ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन को हटाया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से पद संभाला है तब से वो एक्शन मोड में है। कभी थर्ड जेंडर को खत्म करना तो कभी मेक्सिको बोर्डर पर इमरजेंसी घोषित करना, ट्रंप लगातार सख्त कदम उठा रहे हैं।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार अचानक वायुसेना के जनरल सीक्यू ब्राउन को ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन पद से हटा दिया। उन्होंने इतिहास रचने वाले फाइटर पायलट और सम्मानित अधिकारी को दरकिनार कर दिया।

दरअसल, ट्रंप उन सभी अधिकारियों को हटा रहे हैं जो सेना में विविधता और समानता का समर्थन कर रहे हैं।

अश्वेत जनरल को हटाने से मचेगा हड़कंप- चेयरमैन के रूप में सेवा करने वाले दूसरे अश्वेत जनरल ब्राउन को हटाए जाने से पेंटागन में जहां हड़कंप मचेगा, वहीं देश में भी विरोध हो सकता है। इस पद पर रहते हुए उन्होंने 16 महीने यूक्रेन में युद्ध और मध्य पूर्व में संघर्ष में बिताए।

मैं जनरल चार्ल्स सीक्यू ब्राउन को हमारे देश के लिए उनकी 40 से अधिक वर्षों की सेवा के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, जिसमें हमारे वर्तमान ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन के रूप में सेवा करना भी शामिल है।

मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे PM मोदी, प्रधानमंत्री रामगुलाम बोले- यह सौभाग्य की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम ने शुक्रवार को यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का यहां आना दोनों देशों के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों का प्रमाण है।

देश के लिए अनूठा सौभाग्य- अपनी संसद में पीएम रामगुलाम ने कहा कि मुझे सदन को यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरे निमंत्रण पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनने पर सहमति जताई है। हमारे देश के लिए यह वास्तव में एक अनूठा सौभाग्य है कि हम ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी कर रहे हैं, जो अपने व्यस्त कार्यक्रम और हाल ही में पेरिस व अमेरिका के दौरे के बावजूद हमें यह सम्मान दे रहे हैं।

अगले महीने मॉरीशस का राष्ट्रीय दिवस- रामगुलाम ने कहा कि पीएम मोदी हमारे विशेष अतिथि के रूप में यहां आने पर सहमत हुए हैं। मोदी की यात्रा हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का प्रमाण है। बता दें कि मॉरीशस अगले महीने अपना राष्ट्रीय दिवस मनाएगा।

किसी को भी नहीं छोड़ेंगे, भारत हो या चीन..., डोनाल्ड ट्रंप ने दी टैरिफ लगाने की धमकी; कहा- एलान जल्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जल्द ही भारत और चीन समेत दुनियाभर के देशों पर रिसिप्रोकल टैरिफ लगाने की धमकी है। ट्रंप ने खुलकर कहा कि अमेरिका इन देशों पर जैसा को तैसा की तर्ज पर टैरिफ लगाएगा।

हाल ही में पीएम मोदी ने अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने ट्रंप के साथ व्यापार, रक्षा समेत टैरिफ के मुद्दे पर बात की थी। डोनाल्ड ट्रंप ने ताजा टिप्पणी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की है।

हम निष्पक्ष होना चाहते- शुक्रवार को डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका भी वही शुल्क लगाएगा, जो ये देश अमेरिकी वस्तुओं पर लगाते हैं। हम जल्द ही रिसिप्रोकल टैरिफ का एलान करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वे हम पर शुल्क लगाते हैं। हम उन पर शुल्क लगाएंगे। हम निष्पक्ष होना चाहते हैं। कोई भी कंपनी या देश जैसे कि भारत और चीन जो भी शुल्क लगाते हैं, वहीं हम भी लगाएंगे। ट्रंप ने आगे कहा कि हमने ऐसा कभी नहीं किया। कोविड महामारी से पहले हम ऐसा करना चाहते थे।

भारत में टैरिफ अधिक- ट्रंप- पीएम मोदी के साथ वाशिंगटन में द्विपक्षीय बैठक से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की टैरिफ नीति का जमकर आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में टैरिफ सबसे अधिक है। वहां व्यापार करना कठिन है। ट्रंप कई और मौकों पर भी भारत को टैरिफ किंग कह चुके हैं।

भारत में व्यापार करना बहुत मुश्किल- डोनाल्ड ट्रंप ने यह बयान तब दिया जब एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के साथ पीएम मोदी की मुलाकात के बारे में पूछा गया। ट्रंप ने कहा कि वे मिले। मुझे लगता है कि वे भारत में व्यापार करना चाहते हैं। मगर टैरिफ के कारण भारत में व्यापार करना बहुत मुश्किल है। वहां टैरिफ सबसे अधिक हैं।

पत्नी के सामने बेदर्दी से पीटा, दोनों आंखें फोड़ी; बांग्लादेश में BNP नेता की हत्या से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। देशभर में अराजकता का माहौल है। हिंदुओं पर हमले के बाद अब बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता की हत्या का मामला सामने आया है। बेधड़क आरोपियों ने पत्नी के सामने बीएनपी नेता को बेरहमी से पीटा और दोनों आंखें फोड़ दी। जब लोगों ने अस्पताल ले जाना चाहा तो बदमाशों ने रोक दिया।

खेत में की गई हत्या- पुलिस ने बताया कि ढाका में बीएनपी नेता को उसके विरोधियों ने पीट-पीटकर

मौत के घाट उतारा है। डेली स्टार बांग्लादेश की रिपोर्ट के मुताबिक बीएनपी नेता मोहम्मद बाबुल मिया शुक्रवार दोपहर को अपनी पत्नी के साथ धामराई उपजिला के अक्षिरनगर हाउसिंग के पास सरसों काटने में जुटे थे। तभी आरोपियों ने धावा बोल दिया। जानकारी के मुताबिक मोहम्मद बाबुल मिया बीएनपी की कुल्ला यूनियन इकाई के पूर्व उपाध्यक्ष थे।

कई दिनों से मिल रही थीं धमकियां- बाबुल की पत्नी यास्मीन बेगम हत्या के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा कि गांव वालों का लंबे समय से अक्षिरनगर हाउसिंग मामले में पति के साथ विवाद चल रहा था। यह रियल एस्टेट कारोबार से जुड़ा मामला है। यास्मीन ने कहा कि मेरे पति इस मामले में शामिल नहीं थे। बावजूद इसके गांव के रहने वाले अफसर, अरशद और मोनिर कई दिनों से हम दोनों को धमका रहे थे।

आप प्रेसिडेंट नहीं हो, एलन मस्क के बेटे से डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात का लिया बदला, नाक पोंछने पर बदल दी डेस्क!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड के पदभार ग्रहण करने के बाद दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक और टेस्ला के मालिक एलन मस्क, अपने बेटे के साथ ट्रंप से मिलने के लिए उनके ऑफिस पहुंचे थे। इस दौरान

एलन मस्क के बेटे की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी।

इस मुलाकात के दौरान जब डोनाल्ड ट्रंप अपनी चेयर पर बैठे थे, तो वहां पास में खड़ा एलन मस्क का बेटा खुद में ही मग्न था। ट्रंप और एलन मस्क की मुलाकात में सबसे ज्यादा चर्चा एलन मस्क का बेटा X Æ A-Xii ही रहा। मस्क के बेटे का नाम काफी दिलचस्प है।

मस्क के बेटे ने डेस्क से पोंछी नाक- ट्रंप के साथ इस मुलाकात का जो वीडियो सामने आया है, उसमें एलन मस्क का बेटा अजीब आवाजें निकालता और नाक खुजलाा नजर आ रहा है। वीडियो में एक जगह देखा जा सकता है कि, मस्क का बेटा नाक में उंगली कर रहा है और 145 साल पुरानी रेजोल्यूट डेस्क के पास में ही खड़ा है।

अब ट्रंप ने इस डेस्क को CEO डेस्क से बदल दिया है। हालांकि ट्रंप ने इसे अस्थायी बदलाव कहा है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर नए डेस्क के साथ ओवल ऑफिस की एक तस्वीर भी उन्होंने साझा की है। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि, एलन मस्क के बेटे की वजह से डेस्क गया है या नहीं।

सोशल मीडिया पर दी गई जानकारी- सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा है, चुनाव के बाद राष्ट्रपति को 7 डेस्क में से एक को चुनने का विकल्प दिया जाता है।

अब नहीं चलेगी डिजिटल और OTT प्लेटफॉर्म की मनमानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के दिनों में सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेंट की बाढ़ आ गई है। इसको लेकर लोगों के साथ सरकार भी चिंतित है। इसी बीच एक ऐसा ही मामला सामने आया था, जिसकी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र से पूछा था कि क्या अश्लील कंटेंट को लेकर सरकार कुछ कर रही है या नहीं।

वहीं, अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील और हिंसक सामग्री दिखाने के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दुरुपयोग पर बढ़ती चिंताओं के बीच सूचना और प्रसारण मंत्रालय सभी प्रकार के मीडिया से संबंधित मौजूदा कानूनों की समीक्षा कर रहा है।

सरकार ने भी जताई चिंता- जानकारी दें कि संसद सदस्यों और राष्ट्रीय महिला आयोग जैसी वैधानिक संस्थाओं सहित समाज के कई वर्ग के लोगों ने इस तरह की सामग्री पर चिंता व्यक्त की है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय का कहना है कि इन घटनाक्रमों पर ध्यान दिया जा रहा है और साथ ही वर्तमान वैधानिक प्रावधानों और नए कानूनी ढांचे की आवश्यकता की जांच भी की जा रही है।

पहले से मौजूद हैं कानून- आपको जानना चाहिए कि मीडिया सामग्री को रेगुलेट करने के लिए देश में पहले से कुछ कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। हालांकि, सख्त और अधिक प्रभावी रेगुलेशन की मांग देश में बढ़ रही है।

मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान में मौजूद कानूनी ढांचे की जांच की जा रही है और इन चिंताओं को दूर करने के लिए एक नए कानून की आवश्यकता का आकलन भी किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि इस संबंध में एक विस्तृत नोट उचित विचार-विमर्श के बाद समिति के अवलोकन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

शिवराज जी, सॉरी... केंद्रीय मंत्री को फ्लाइट की टूटी सीट पर करनी पड़ी यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ आज एक ऐसी घटना घटी, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। दरअसल, शिवराज को एयर इंडिया की टूटी हुई सीट पर बैठकर सफर करना पड़ा है, जिससे वो खासा नाराज हो गए।

शिवराज सिंह ने इस बात की जानकारी खुद अपने एक्स हैंडल से दी है। केंद्रीय मंत्री को भोपाल से दिल्ली आना था और पूसा में किसान मेले का उद्घाटन करना था। उन्होंने कहा कि मुझे प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक और चंडीगढ़ में किसान संगठन के नेताओं से भी मिलना है। इसके लिए मैं फ्लाइट से जा रहा था, लेकिन वहां की व्यवस्था काफी खराब मिली।

शिवराज सिंह ने लिखा, मैंने एयर इंडिया की फ्लाइट क्रमांक AI436 में टिकिट करवाया था, मुझे सीट क्रमांक 8सी आवंटित हुई। मैं जाकर सीट पर बैठा, सीट टूटी और अंदर धंसी हुई थी। बैठना काफी तकलीफदायक था। जब मैंने विमानकर्मियों से पूछा कि खराब सीट थी तो आवंटित क्यों की? उन्होंने बताया कि प्रबंधन को पहले सूचित कर दिया था कि ये सीट ठीक नहीं है, इसका टिकट नहीं बेचना चाहिए। ऐसी एक नहीं और भी सीटें हैं।

सफेद कपड़े में मां की लाश... फांसी पर झूलते मिले IRS अधिकारी और JPSC टॉपर बहन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां केंद्रीय उत्पाद शुल्क और जीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त मनीष विजय, उनकी बहन और मां की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। मनीष चार दिनों की छुट्टी पर थे। मगर छुट्टी खत्म होने के बाद भी दफ्तर नहीं पहुंचे थे। मनीष के साथ कुछ दिनों से मां और बहन शालिनी भी रहने लगी थीं। पुलिस ने संदेह जताया है कि यह आत्महत्या का मामला है।

डेढ़ साल पहले हुआ तबादला- आईआरएस अधिकारी मनीष विजय का परिवार मूलरूप से झारखंड का रहने वाला है। मनीष केरल के एर्नाकुलम जिले के कक्कनाड में कस्टम क्वार्टर में रहते थे। करीब डेढ़ साल पहले ही मनीष का तबादला कोच्चि किया गया था। इससे पहले वह कोझीकोड हवाई अड्डे पर कस्टम प्रिवेंटिव में तैनात थे।

पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है। मनीष के भाई और बहन विदेश में रहते हैं। उनके यहां आने के बाद तीनों शवों का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

अलग-अलग कमरे में लटके मिले भाई और बहन- मनीष विजय चार दिन की छुट्टी पर थे। मगर छुट्टी खत्म होने के बाद भी वह काम पर नहीं लौटे। इसके बाद उनके साथियों को चिंता हुई। कुछ सहकर्मी मनीष के घर पहुंचे तो वहां बेहद तेज बदबू आ रही थी।

सामूहिक विवाह के नाम पर लूट लिए लाखों रुपये! सिर्फ टेंट लगा देख रोने लगीं दुल्हनें

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट में माधापार चौकड़ी के पास ऋषिवंशी समाज सेवा संघ की ओर से सामूहिक विवाह महोत्सव का आयोजन किया गया। हालांकि, शादी के आखिरी समय में आयोजक 28 जोड़ों से लाखों रुपये वसूल कर फरार हो गए।

इसके बाद आयोजकों के धोखे का शिकार हुए वर-वधू पक्ष ने हंगामा खड़ा कर दिया। 28 में से 22 जोड़े वापस लौट आये। आखिरी मौके पर पहुंची पुलिस ने वहां मौजूद 6 जोड़ों की तत्काल शादी कराकर मामला शांत कराया। आयोजकों के फोन बंद, मच गया हंगामा

जानकारी के मुताबिक, माधपार चौकड़ी के पास ऋषिवंशी समाज सेवा संघ द्वारा 28 जोड़ों का सामूहिक विवाह आयोजित किया गया। इसके लिए गुजरात के जनैया और मंडाविया सौराष्ट्र के कई जिलों से सुबह 4 बजे विवाह स्थल पर पहुंचे। हालांकि, घंटों इंतजार के बावजूद जब आयोजक नहीं आए तो लोगों को शक हुआ। इसलिए जब आयोजकों से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनके सभी फोन बंद पाए गए।

फूट-फूट कर रोने लगीं दुल्हनें- जब लड़कियों को पता चला कि शादी अचानक रद्द हो गई है तो वे फूट-फूट कर रोने लगीं। जब शादी में आई महिलाओं ने आयोजकों को गालियां देनी शुरू कर दीं। सामूहिक विवाह में आई दुल्हन और महिलाएं आयोजकों को कोस रही थीं।

उधर, पूरी घटना की जानकारी मिलने पर सुबह करीब 10 बजे पुलिस का काफिला घटनास्थल पर पहुंचा। हालांकि, तब तक 22 जोड़े लौट गए थे। आखिरकार पुलिस ने स्थिति को समझते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया और समारोह स्थल पर उपस्थित सभी दूल्हा-दुल्हन को आनन-फानन में शादी कराने के प्रयास में 6 जोड़ों की शादी करा दी।

बाजरे की रोटी, लहसुन की चटनी..., विधानसभा में इंदिरा गांधी पर बवाल हुआ तो टिफिन लेकर क्यों आए नेता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में शुक्रवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक भाजपा नेता की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी से उपजा विवाद अब तक नहीं थमा है। शनिवार को भी कांग्रेस नेताओं ने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। इस दौरान कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा में बने खाने को इनकार कर दिया। इसके बाद नाटकीय तरीके से दो लोग बड़े-बड़े टिफिन बॉक्स लेकर विधानसभा में दाखिल हुए। टिफिन बॉक्स में बाजरे से बनी रोटियां, गट्टे की सब्जी , लहसुन की चटनी, दम आलू , फोगला रायता और हलवा के अलावा अन्य व्यंजन थे।

क्या है पूरा मामला- दरअसल यह विरोध प्रदर्शन शुक्रवार विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर भाजपा नेता की टिप्पणी से उपजा है। परिसर में देर तक रुकने के बाद कांग्रेस नेताओं ने तय किया कि वह विरोध प्रदर्शन करते रहेंगे और उन्होंने असेंबली के मेस के खाने को खाने से भी मना कर दिया है और घर से बने भोजन को खाने का फैसला किया।

कांग्रेस विधायक अनिल शर्मा ने अपने घर से खाना लाकर खानपान की जिम्मेदारी संभाली। अनिल शर्मा ने अपने पिता के विरासत को आगे बढ़ाने का काम किया है। उनके पिता भंवरलाल शर्मा राजनीतिक गतिरोध के दौरान विधानसभा में भोजन उपलब्ध कराने के लिए जाने जाते थे। पहले भी इसी तरह की हालात शर्मा परिवार के घर से भोजन की व्यवस्था की जाती रही।

बीजेपी मंत्री ने इंदिरा गांधी को आपकी दादी- मौजूदा गतिरोध तब शुरू हुआ जब राज्य के मंत्री अविनाश गहलोत ने इंदिरा गांधी को आपकी दादी कहा। कांग्रेस विधायकों ने इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई और मांग की कि इस टिप्पणी को विधानसभा के रिकॉर्ड से हटा दिया जाए। स्थिति तब और बिगड़ गई जब विपक्ष के नेता टीकाराम जूली के नेतृत्व में कई पार्टी नेताओं ने विधानसभा के अंदर रात भर विरोध प्रदर्शन किया।

लड़की ने मांगा फ्री टिकट; कंडक्टर ने नहीं दिया तो 50 लोगों से पिटवाया, आरोप- मराठी न बोलने पर ऐसा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी में भाषा विवाद में बस चालक और कंडक्टर की पिटाई का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक घटना शुक्रवार दोपहर लगभग साढ़े 12 बजे की है।

मुफ्त टिकट मांगने पर बढ़ा विवाद- पुलिस के मुताबिक उत्तर पश्चिमी कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के बस चालक और कंडक्टर पर युवकों के झुंड ने सुलेभवी के पास हमला किया है। बस कंडक्टर महादेव हुक्केरी ने बताया कि बस में लड़की और एक युवक साथ में बैठे थे। मैं टिकट काट रहा था। कर्नाटक में महिलाओं के लिए बस में मुफ्त यात्रा की सुविधा है। मगर लड़के के साथ बैठी महिला ने दो फ्री टिकट की मांग की लेकिन मैंने उसे एक ही टिकट दिया।

मराठी न बोलने पर हुआ झगड़ा- कंडक्टर ने आगे बताया कि जब मैंने पूछा कि दूसरा टिकट क्यों चाहिए तो लड़की ने लड़के की तरफ इशारा किया। मगर मैंने यह बताया कि कर्नाटक में पुरुषों के लिए बस में मुफ्त सफर की सुविधा नहीं है तो उन्होंने मुझसे मराठी में बात करने को कहा। मैंने कहा कि मुझे मराठी नहीं आती है। मैंने उनसे कन्नड़ में बात करने को कहा। इतने पर ही बस में सवार 6-7 लोगों ने हमला कर दिया। बस के रुकते ही वहां लगभग 50 लोग और पहुंच गए। सभी ने मिलकर पिटाई की।

डीसीपी ने जाना कंडक्टर का हाल- कर्नाटक की मरिहाल पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक नाबालिग को हिरासत में भी लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मारुति तुरुमुरी, राहुल नायडू और बालू गोजगेकर के तौर पर हुई है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रोहन जगदीश ने बेलगावी स्थित बीआईएमएस अस्पताल का दौरा किया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

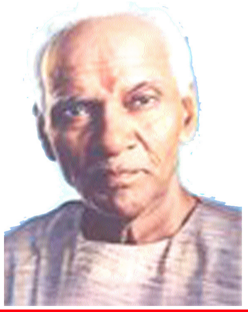

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन दशमी

संपादकीय

यकीनन इस समय जहां नए डिजिटल दौर में देश की नई हाई स्किल्ड पीढ़ी....

यकीनन इस समय जहां नए डिजिटल दौर में देश की नई हाई स्किल्ड पीढ़ी के लिए भारत में ही नहीं, दुनियाभर में नए दौर की नौकरियों में अवसर बढ़ रहे हैं, वहीं करोड़ों युवाओं को नए दौर की इन नौकरियों के लिए शिक्षित-प्रशिक्षित करने की बड़ी चुनौती भी सामने है। खासतौर से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में यह चुनौती और अधिक है। हाल ही में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट 'भविष्य की नौकरियों' में कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई हाई स्किल्ड नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परंपरागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है। इसके परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी उन्नति, जनसांख्यिकीय बदलाव, भू-आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव आदि परिवर्तनों के कारण नई हाई स्किल्ड नौकरियों को रफ्तार मिलेगी और इससे दुनियाभर में उद्योगों-व्यवसायों को नया रूप मिलता दिखाई देगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां भारत में नियोक्ताओं का मानना है कि सेमीकंडक्टर और कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों को अपनाने से उनके परिचालन में बदलाव आएगा, वहीं क्वांटम और एन्क्रिप्शन प्रौद्योगिकियों को अपनाने से भी परिचालन में परिवर्तन होगा। रिपोर्ट में कहा गया है, विश्व स्तर पर एआई कौशल की मांग में तेजी आई है, जिसके क्षेत्र में भारत और अमेरिका अग्रणी नजर आते हैं। ऐसे में सबसे तेजी से बढ़ती जिन नौकरियों की भूमिकाएं होंगी, उनमें एआई, बिग डेटा, मशीन लर्निंग और साइबर सुरक्षा प्रबंधन के विशेषज्ञ शामिल हैं। ये सभी नौकरियां वैश्विक रुझानों के साथ निकटता से जुड़ी हैं। इसी के चलते भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्किल्ड वर्कफोर्स वाले देशों में शामिल है। अगले दशक में भारत दुनिया की एक चौथाई नई हाई स्किल्ड वर्कफोर्स का हब भी बनता दिखाई दे सकता है।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पेरिस में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक्शन शिखर सम्मेलन की सह अध्यक्षता करते हुए कहा कि यद्यपि दुनिया में यह आशंका है कि एआई की वजह से नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण नौकरियां खत्म नहीं होती, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। इसलिए हमें एआई संचालित भविष्य के लिए अपने लोगों को हाई स्किल्ड बनाते हुए नए काम के तरीकों के लिए उन्हें तैयार करने में निवेश करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने 140 करोड़ से अधिक लोगों के लिए बहुत कम लागत पर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा तैयार किया है। साथ ही इंडियाएआई मिशन प्रभावी रूप से काम कर रहा है।

निःसंदेह, भारत की नई पीढ़ी डिजिटल दौर के हाई स्किल्ड कामों में लगातार अपना योगदान बढ़ा रही है। ओपन एआई के सीईओ सैम आल्टमैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक, भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक, भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इस समय जहां प्रतिभा संपन्न हाई-स्किल्ड नई पीढ़ी देश के विकास में बड़ा योगदान दे रही है, वहीं भारत के टैलेंट की दुनिया में पहचान है।

गाडगे महाराज

राष्ट्र संत गाडगे बाबा गाडगे बाबा महाराष्ट्र राज्य के कीर्तनकार, संत और समाज सुधारक थे। उन्होंने स्वेच्छा से खराब जीवन स्थितियों को स्वीकार कर लिया था। वे सामाजिक न्याय दिलाने के लिए विभिन्न गांवों में घूमते रहते थे । गाडगे महाराज की सामाजिक न्याय, सुधार और स्वच्छता के मुद्दों में अधिक रुचि थी। बीसवीं सदी के सामाजिक सुधार आंदोलनों में भाग लेने वाले महापुरुषों में एक महत्वपूर्ण नाम गाडगे बाबा का है।

संत गाडगे महाराज का पूरा नाम देबूजी झिंगराजी जानोरकर था । उनके पिता का नाम - झिंगराजी रानोजी जाणोरकर और उनकी माता का नाम - सखुबाई झिंगराजी जाणोरकर था। गाडगे महाराज एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाले समाज सुधारक थे। वह एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों और शोषितों की सेवा में बिताया। उनका कीर्तन सार्वजनिक ज्ञानोदय का एक हिस्सा था। अपने कीर्तन के माध्यम से उन्होंने समाज के पाखंड और परंपराओं की आलोचना की। गाडगे बाबा ने समाज को शिक्षा के महत्व के बारे में समझाते हुए स्वच्छता और चरित्र की शिक्षा दी।

गाडगे महाराज एक समाज सुधारक थे जिन्होंने गरीबों और दलितों के बीच अज्ञानता, अंधविश्वास और अस्वच्छता को मिटाने के लिए काम किया। गरीबों, कमजोरों, अनाथों और अपाहिजों की सेवा करने वाले महान संत गाडगे बाबा हैं, जिन्होंने कहा, मंदिर मत जाओ, मूर्ति पूजा मत करो, साहूकारों से कर्ज मत लो, किसान मत बनो, किताबों और पुराणों, मंत्रों और तंत्र, देवी-देवताओं, चमत्कारों पर विश्वास मत करो। उन्होंने जीवन भर लोगों को यही शिक्षा दी। लोगों में भगवान को खोजने वाले इस संत ने लोगों द्वारा दान किए गए धन से महाराष्ट्र में गरीबों और अनाथों के लिए धर्मशालाएं, अनाथालय, आश्रम और स्कूल शुरू किए। गरीब और कमजोर, अपाहिज और अनाथ उनके भगवान थे। गाडगे बाबा को ये भगवान सबसे ज्यादा प्रिय थे। वे सिर पर पगड़ी, खपरे के टुकड़े से बनी टोपी, एक कान में कावड़ी, दूसरे कान में टूटी चूड़ी, एक हाथ में झाड़ू और दूसरे में बर्तन पहनते थे।

उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज से अज्ञानता, अंधविश्वास, भोली-भाली मान्यताओं और अवांछनीय रीति-रिवाजों और परंपराओं को खत्म करने के लिए समर्पित कर दिया। इसके लिए उन्होंने कीर्तन का मार्ग अपनाया। अपने कीर्तन में वे श्रोताओं से विभिन्न प्रश्न पूछते थे तथा उन्हें उनकी अज्ञानता, दुर्गुणों और दोषों से अवगत कराते थे। उनकी शिक्षाएँ भी सरल और सहज थीं। अपने कीर्तन के माध्यम से उन्होंने उपदेश दिया कि किसी को चोरी नहीं करनी चाहिए, साहूकारों से उधार नहीं लेना चाहिए, व्यसनों में लिप्त नहीं होना चाहिए, भगवान और धर्म के नाम पर जानवरों को नहीं मारना चाहिए और जाति भेदभाव और छुआछूत का अभ्यास नहीं करना चाहिए। उन्होंने आम लोगों के मन में यह बात बैठाने की कोशिश की कि भगवान पत्थर में नहीं बल्कि इंसानों में हैं। वे संत तुकाराम महाराज को अपना गुरु मानते थे। वह हमेशा कहा करते थे, मैं किसी का गुरु नहीं हूं, मेरा कोई शिष्य नहीं है। उन्होंने अपने विचारों को सरल, भोले-भाले लोगों को समझाने के लिए ग्रामीण भाषा (मुख्यतः वरहदी बोली) का प्रयोग किया। गाडगे बाबा ने समय-समय पर संत तुकाराम के सटीक अभंगों का भी व्यापक उपयोग किया। गाडगे बाबा नास्तिक से लेकर नास्तिक तक, सभी उम्र के लोगों को आसानी से अपने कीर्तन में शामिल कर लेते हैं और उन्हें अपने दर्शन से अवगत कराते हैं। उनके कीर्तन का सारांश बनाना मेरी शक्ति से बाहर है। ये शब्द बाबा के जीवनी लेखक प्रबोधनकर ठाकरे ने कहे थे।

संत गाडगे महाराज के बारे में जानकारी- गाडगे महाराज एक ऐसे संत थे जिन्हें ईश्वर के बारे में स्पष्ट समझ थी और जिन्होंने गरीबों और दलितों के लौकिक और आध्यात्मिक विकास के लिए अज्ञानता, अंधविश्वास और अस्वच्छता को मिटाने के लिए अथक प्रयास किया। गरीब, कमजोर, अनाथ और विकलांगों की सेवा करने वाले महान संत गाडगे बाबा कहते हैं, पवित्र नदी का पवित्र जल धन का स्रोत है, सज्जनों। लोगों में भगवान को खोजने वाले इस संत ने लोगों द्वारा दान किए गए धन से महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में गरीबों और अनाथों के लिए धर्मशालाएं, अनाथालय, आश्रम और स्कूल शुरू किए। गरीब और कमजोर, विकलांग और अनाथ उनके भगवान थे। गाडगे बाबा को इन देवताओं में सबसे ज्यादा आनंद आता था। वे सिर पर पगड़ी, खपरा के टुकड़े से बनी टोपी, एक कान में कवड़ी और दूसरे कान में टूटी हुई चूड़ी, एक हाथ में झाड़ू और दूसरे में बर्तन रखते थे।

बचपन- गाडगे महाराज का जन्म अमरावती जिले के शेंडगांव में हुआ था। उनका पूरा नाम देबूजी झिंगराजी जानोरकर था। उन्होंने अपना बचपन अपने मामा के साथ मुर्तिजापुर तालुका के दापुरे में बिताया, जो उनकी मां का ननिहाल था। उसके चाचा के पास एक बड़ा खेत था। बचपन से ही उन्हें खेतीबाड़ी में रुचि थी, विशेषकर मवेशियों की देखभाल में। उनके पिता, झिंगराजी, एक परित थे। उनकी माता सखुबाई ने उनका नाम देबूजी रखा।

जब देबूजी छोटे थे, उनके पिता की शराब पीने की आदत के कारण मृत्यु हो गई। इसलिए, चूंकि परिवार की स्थिति बेहद खराब थी, इसलिए वह छोटी उम्र से ही मवेशी चराने, हल चलाने और खेती जैसे काम करते थे। उसे काम बहुत पसंद था। स्वच्छता उनका विशेष गुण था। देबूजी की शादी छोटी उम्र में ही हो गई थी। उनकी चार बेटियाँ थीं। लेकिन उन्हें जीवन का ज्यादा आनंद नहीं मिला। उन्होंने पूरे समुदाय का जीवन बेहतर बनाने के लिए अपने परिवार को पीछे छोड़ दिया।

सामाजिक सुधार- उनका विवाह 1892 में हुआ। अपनी बेटी के जन्मदिन पर, उन्होंने पारंपरिक शराब और मांस के भोजन के स्थान पर एक मीठा व्यंजन परोसा। यह उस समय की परंपरा से अलग था। गांव में किसी को कोई परेशानी हो या कहीं कोई काम हो, गाडगे महाराज स्वयं आगे आ जाते थे। उन्होंने गांव वालों को आंखें बंद करके यह पाठ पढ़ाया कि जन कल्याण के काम सभी लोगों को मिलकर करने चाहिए। 1 फरवरी 1905 को उन्होंने परिवार त्यागकर संन्यास ग्रहण कर लिया। वह तीर्थयात्रा पर गए और कई स्थानों का दौरा किया। यहां तक कि अपने निर्वासन के दौरान भी उन्होंने सार्वजनिक सेवा का अपना व्रत नहीं छोड़ा। उनकी योजना यह थी कि मुसीबत में फंसे किसी भी व्यक्ति की मदद के लिए दौड़ पड़ें और बदले में कुछ भी उम्मीद किए बिना अपने-अपने रास्ते चले जाएं। वह हमेशा अपने साथ एक चाकू रखता था। वे फटे-पुराने कपड़े पहने हुए थे और उनके हाथ में एक फटा हुआ थैला था। इसीलिए लोग उन्हें गाडगे बाबा कहने लगे। वे जिस गांव में जाते, वहां झाड़ू लगाते और सफाई करते। वे स्वयं लगातार सक्रिय रहे और समाज में सार्वजनिक स्वच्छता और अंधविश्वास उन्मूलन के सिद्धांतों को स्थापित करने के लिए कठोर प्रयास किए।

उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज से अज्ञानता, अंधविश्वास, भोली-भाली मान्यताओं और अवांछनीय रीति-रिवाजों और परंपराओं को खत्म करने के लिए समर्पित कर दिया। इसके लिए उन्होंने कीर्तन का मार्ग अपनाया। अपने कीर्तन में वे श्रोताओं से विभिन्न प्रश्न पूछते थे तथा उन्हें उनकी अज्ञानता, दुर्गुणों और दोषों से अवगत कराते थे। उनकी शिक्षाएँ भी सरल और सहज थीं। अपने कीर्तन के माध्यम से उन्होंने उपदेश दिया कि किसी को चोरी नहीं करनी चाहिए, साहूकारों से उधार नहीं लेना चाहिए, व्यसनों में लिप्त नहीं होना चाहिए, भगवान और धर्म के नाम पर जानवरों को नहीं मारना चाहिए और जाति भेदभाव और छुआछूत का अभ्यास नहीं करना चाहिए। उन्होंने आम लोगों के मन में यह बात बैठाने की कोशिश की कि भगवान पत्थर में नहीं बल्कि इंसानों में हैं। वे संत तुकाराम महाराज को अपना गुरु मानते थे। वह हमेशा कहा करते थे, मैं किसी का गुरु नहीं हूं, मेरा कोई शिष्य नहीं है।

8 रुपये के शेयर ने लगाई 445 गुना लम्बी छलांग, 1 लाख के निवेश पर मिला 4.45 करोड़ रुपये का रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपने सही कंपनी पर दांव लगाया है तो लॉन्ग टर्म में वह आपको करोड़पति बना सकता है। Tanfac Industries के शेयरों के साथ ऐसा ही कुछ देखने को मिला है। कंपनी ने अपने पोजीशनल निवेशकों को 11 साल में 1 लाख रुपये के निवेश पर 4.45 करोड़ रुपये का रिटर्न देकर मालामाल कर दिया है।

कैसे बदली तकदीर- 21 फरवरी 2014 को Tanfac Industries के शेयरों का भाव 8 रुपये प्रति शेयर था। पिछले हफ्ते शुक्रवार को यह स्टॉक 3566 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। यानी लॉन्ग टर्म निवेशकों को कंपनी ने 445 गुना रिटर्न दिया है। जिसकी वजह से 21 फरवरी 2014 को एक लाख रुपये का दांव इस पेनी स्टॉक पर लगाने वाले निवेशकों को अबतक 4.45 करोड़ रुपये का रिटर्न मिल चुका है। यानी ये निवेशक करोड़पति बन चुके हैं।

बीते एक महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 2930 रुपये से 3566 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। यानी भारी बिकवाली के दौर में भी कंपनी के शेयरों का भाव 20 प्रतिशत चढ़ा है। वहीं, 2025 में पोजीशनल निवेशकों को कंपनी ने 16 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 6 महीने से Tanfac Industries के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 50 प्रतिशत का फायदा हुआ है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 80 प्रतिशत की तेजी आई है। जिसकी वजह से एक साल में शेयरों की कीमत 1938.55 रुपये से बढ़कर 3566 रुपये के स्तर पर आने सफल रहा है।

5 साल पहले Tanfac Industries के शेयर 118 रुपये के करीब बिक रहे थे। तब से अबतक स्टॉक का भाव 2900 प्रतिशत बढ़ चुका है। वहीं, साल में कंपनी के शेयरों का भाव 17700 प्रतिशत बढ़ा है। तब शेयरों का भाव 20 रुपये था। इस कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 51.81 प्रतिशत दिसंबर तिमाही तक थी। वहीं, पब्लिक के पास 48.19 प्रतिशत हिस्सा था।

अनिल अंबानी की इस कंपनी को मिलेगा नया मालिक, 1000 करोड़ रुपये का है कर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्ज के बोझ के तले दबी अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस बिग प्राइवेट लिमिटेड को जल्द ही नया मालिक मिल जाएगा। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के मुंबई बेंच ने उद्यमी मनोज कुमार उपध्याय और उनसे जुड़ी कंपनी ACME Cleantech Solutions के अधिग्रहण के एप्लीकेशन को अप्रूव कर दिया है। यह अधिग्रहण इन्सॉल्वेंसी प्रोसेस के जरिए पूरा किया जाएगा।

रिलायंस बिग के पास तमिलनाडु के विंड एनर्जी जनरेटर का मालिकाना हक था। RBPL तमिलनाडु इलेक्ट्रिकसिटी बोर्ड को पावर सप्लाई करती थी। इसके अलावा रिलायंस बिग, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर से भी जुड़ा था। कंपनी कमोडिटी ट्रेडिंग का भी काम करती थी। प्रक्रिया के अनुसार आरबीपीएल के वित्तीय मदद करने वाली संस्थाओं को 3.51 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। वहीं, सफल बोलीदाता को 4 करोड़ रुपये कैश कंपनी में लगाना होगा। बता दें, आरबीपीएल के ऊपर 1000 करोड़ रुपये का कर्ज है। कमिटी ऑफ क्रेडिटर्स में एक्सिस ट्रस्टी सर्विस के पास 48.42 प्रतिशत का वोटिंग राइट्स है। कंपनी का 483 करोड़ रुपये बकाया है। अनसिक्योर्ड क्रेडिटर्स में जेसी फ्लॉवर्स एआरसी के पास 51.58 प्रतिशत का वोटिंग राइट है। 515 करोड़ रुपये आरबीपीएल को भुगतान करना होगा।

टिप्पणी की जरूरत नहीं, स्मॉल और मिडकैप शेयरों में गिरावट पर बोलीं सेबी चीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच का कहना है कि कैपिटल मार्केट रेगुलेटर को स्मॉल और मिडकैप के शेयरों में हालिया गिरावट पर टिप्पणी करने की कोई जरूरत नहीं है। बुच ने पिछले साल मार्च में स्मॉल और मिड कैप शेयरों पर अपने बयान का हवाला दिया। उस वक्त सेबी प्रमुख ने कहा था कि स्मॉल और मिड कैप शेयरों का मूल्यांकन काफी अधिक है और यह चिंता की बात है।

बुच ने सोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के एक कार्यक्रम में कहा, सेबी ने जब स्मॉल और मिड कैप शेयरों पर टिप्पणी की जरूरत महसूस की थी, तब उसने अपनी चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा, मिडकैप और स्मॉलकैप के बारे में मेरा मानना है कि एक समय ऐसा आया जब नियामक को इस बारे में टिप्पणी करने की जरूरत महसूस हुई और टिप्पणी की गई। आज, नियामक को अतिरिक्त टिप्पणी करने की कोई जरूरत महसूस नहीं हो रही है।

स्मॉल व मिडकैप के शेयर मंदी के दौर में हैं। कई शेयर करीब 50 फीसदी तक गिर चुके हैं। कुछ शेयरों में लगातार लोअर सर्किट भी लग रहा है। इससे निवेशकों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों का वैल्यूएशन काफी अधिक है, जिसके चलते उनमें करेक्शन हो रहा है।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग को और अधिक समावेशी और मजबूत बनाने के लिए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया ने तीन नई पहल की शुरुआत की है- छोटी SIP, तरुण योजना और MITRA।

SEBI की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच का कहना है कि वित्तीय समावेशन और निवेशकों की सुरक्षा से ही पूंजी बाजार मजबूत बनेगा। वहीं, AMFI के चेयरमैन नवनीत मुनोट ने इन पहलों को भारत की आर्थिक वृद्धि में भागीदारी बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

5 टुकड़ों में बंटने जा रहा है पेनी स्टॉक, रिकॉर्ड डेट 10 मार्च से पहले, कीमत 5 रुपये से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेनी स्टॉक Shangar Decor के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी अपने शेयरों को 5 टुकड़ों में बांटने जा रही है। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए Shangar Decor ने रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। जोकि 10 मार्च से पहले है। एक्सचेंज को दी जानकारी में Shangar Decor ने कहा है कि 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 टुकड़ों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी। कंपनी ने इस स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट 7 मार्च तय किया है। अगर आप स्टॉक स्प्लिट का फायदा उठाना चाहते हैं तो रिकॉर्ड डेट से पहले एक दिन शेयर खरीदना होगा।

2020 में कंपनी के शेयरों को 2 टुकड़ों में बांट दिया गया था। कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू तब 10 रुपये से घटकर 5 रुपये प्रति शेयर हो गई थी। वहीं, इसी साल कंपनी ने 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर योग्य निवेशकों को बोनस के तौर पर दिया था। बता दें, कंपनी ने एक बार डिविडेंड भी दिया है। यह डिविडेंड भी साल 2020 में दिया गया था। कंपनी ने हर एक शेयर पर 0.20 रुपये का डिविडेंड निवेशकों को तब दिया था।

होली से पहले सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी खुशखबरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स को होली से पहले बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है। इस साल होली 14 मार्च 2025 को है। सरकार होली से पहले DA बढ़ोतरी का एलान करके सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दे सकती है।

7वें वेतन आयोग के तहत DA साल में दो बार बढ़ाया जाता है। पहली बढ़ोतरी 1 जनवरी से लागू होती है और दूसरी 1 जुलाई से। 2025 की पहली बढ़ोतरी 1 जनवरी 2025 से लागू होगी। इसकी आधिकारिक घोषणा मार्च 2025 में हो सकती है। हालांकि, अभी तक सरकार ने डीए बढ़ोतरी का आधिकारिक तौर पर एलान नहीं किया है।

DA बढ़ने से वेतन में कितना इजाफा होगा- कर्मचारी संगठनों के अनुसार, इस बार महंगाई भत्ता 3 से 4 फीसदी तक बढ़ सकता है। इससे कर्मचारियों के वेतन में 540 रुपये से 720 रुपये प्रति माह तक की बढ़ोतरी हो सकती है। आइए इसे उदाहरण से समझते हैं।

अगर किसी सरकारी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 18,000 रुपये है, तो अभी उसे 50 फीसदी ष्ठ के तहत 9,000 रुपये मिल रहे हैं। अगर डीए में 3 फीसदी इजाफा होता है, तो नया महंगाई भत्ता 9,540 रुपये होगा, यानी उसे 540 रुपये अधिक मिलेंगे। वहीं, डीए में 4 फीसदी बढ़ोतरी होने पर नया महंगाई भत्ता 9,720 रुपये होगा, जिससे 720 रुपये अधिक मिलेंगे।

पेंशनर्स को भी होगा फायदा- महंगाई भत्ता सरकारी कर्मचारियों को दिया जाता है। वहीं, पेंशनर्स के लिए यह महंगाई राहत होती है। इस बार 1 करोड़ से अधिक सरकारी कर्मचारी और पेंशनर्स इस बढ़ोतरी का लाभ उठा सकेंगे।

पिछले साल कितनी बढ़ोतरी हुई थी- सरकार ने अक्टूबर 2024 में 3% DA बढ़ाया, जिससे यह 50% से बढ़कर 53त्न हो गया। मार्च 2024 में सरकार ने 4% DA बढ़ाकर इसे 50त्न तक पहुंचाया था।

महंगाई भत्ता कैसे तय किया जाता है- महंगाई भत्ते का कैलकुलेशन अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर किया जाता है। सरकार पिछले 12 महीनों के औसत AICPI डेटा को ध्यान में रखते हुए DA और DR की दरें तय करती है।

बाजार में हाहाकार के बीच इस पेनी शेयर पर टूटे निवेशक, 2 से कम है कीमत

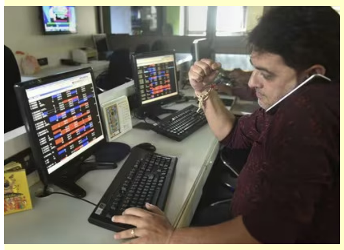

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते शुक्रवार को बाजार की सुस्ती के बीच कुछ पेनी शेयर रॉकेट की तरह बढ़ने लगे। ऐसा ही एक पेनी शेयर- एम्पावर इंडिया लिमिटेड का है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन इस शेयर की कीमत 1.78 रुपये की पिछली क्लोजिंग से करीब 10 फीसदी उछलकर 1.99 रुपये पर पहुंच गई। कारोबार के अंत में शेयर की कीमत 1.94 रुपये थी। यह भाव एक दिन पहले के मुकाबले 9% की बढ़त को दिखाता है। 11 मार्च 2024 को शेयर 3.86 रुपये के हाई तक पहुंच गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। बीते 17 फरवरी को शेयर ने 1.55 रुपये के निचले स्तर को टच किया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

एम्पावर इंडिया लिमिटेड के शेयरहोल्डिंग की बात करें तो प्रमोटर्स के पास 15.02 फीसदी की हिस्सेदारी है। पब्लिक शेयरहोल्डिंग 84.98 फीसदी की है। प्रमोटर में देवांग दिनेश मास्टर के पास 16,57,00,000 शेयर या 14.24 फीसदी हिस्सेदारी है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

त्योहारों में बेहतर कानून व्यवस्था बनाने के लिए बिना अनुमति के आयोजन नहीं होंगे

जबलपुर। आने वाले दिनों में त्योहारों को देखते हुए जबलपुर जिले की कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिया गया है। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने शुक्रवार को यह आदेश जारी करते हुए कहा है कि महाशिवरात्रि, रमजान माह, होलिकोत्सव, चैत्र नवरात्र, गुड़ी पाड़वा, ईद-उल-फितर व हनुमान जयंती जैसे त्योहारों में बेहतर कानून व्यवस्था बनाने के लिए बिना अनुमति के आयोजन नहीं होंगे।

यदि होते हैं तो वह पूरी तरह से अवैध माने जाएंगे और आयोजकों पर सख्त कार्रवाई होगी। इतना ही नहीं दो पहिया वाहन रैली पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। इसके अलावा धर्म और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले नारे, शब्द और अन्य तरह की संगीत पर भी रोक लगा दी गई है।सड़क पर छोड़े पशु तो पशुपालक पर कार्रवाई

इस आदेश के लागू होने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों से अनुमति लेकर ही किसी तरह के आयोजन किए जाएंगे। यदि अनुमति नहीं ली गई है तो उन्हें अवैध माना जाएगा और आयोजकों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित होगी।इसके साथ ही इस आदेश में व्यक्तियों, संस्थाओं अथवा पशु मालिकों से कहा गया है कि वे अपने पशुओं को खुले तौर पर सडकों पर न छोड़ें और न ही सड़कों पर आने दें। इस प्रतिबंधात्मक आदेश में घरेलू नौकरों व व्यावसायिक नौकरों को रखने के पहले इसकी सूचना संबंधित थाने में देना होगी।

इसके साथ ही अब होटल, लाज, धर्मशाला में रुकने वाले व्यक्तियों से पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लेने व विहित प्रारूप में इनकी सूची प्रतिदिन संबंधित थाने को देने के निर्देश होटल, लाज, धर्मशाला संचालकों को देना अनिवार्य कर दिया गया है।

किरायेदारों की देनी होगी सूचना

दो माह तक मकान मालिक द्वारा अपने मकान में रहने वाले पेइंग गेस्ट की सूचना भी अब उसे थाने को देनी होगी। इसके बाद ही पेईंग गेस्ट को रखा जा सकेगा। यदि मकान में किरायेदार रखा जाता है तो इसकी सूचना भी संबंधित थाने को लिखित रूप से मकान मालिक द्वारा प्रदान किया जाना अनिवार्य होगा।कलेक्टर ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों के हनन को रोकने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। इस आदेश को शुक्रवार से ही लागू कर दिया गया, जो दो माह तक लागू रहेगा।

राजस्व सीमा में वॉट्सएप, एक्स, फेसबुक एवं इंटरनेट मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर आपत्तिजनक फोटो, वीडियो, चित्र अथवा मैसेज करने पर भी कार्रवाई होगी।

इसके साथ ही साम्प्रदायिक मैसेज करने, उसे फारवर्ड करने, लाइक करने, कमेंट करने की गतिविधियों को भी रोक लगा दी गई है। इस दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को सोशल मीडिया के ग्रुपों पर निगाह रखने कहा गया है।

सौरभ शर्मा की डायरी में बड़े नाम, आयकर विभाग की पूछताछ में हो सकते हैं कई खुलासे

भोपाल। लोकायुक्त पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बाद अब आयकर विभाग काली कमाई के आरोपित सौरभ शर्मा, उसके करीबी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल से पूछताछ करेगा।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विशेष न्यायालय ने आयकर विभाग को तीनों से पूछताछ की अनुमति दे दी है। इसके लिए कोई अवधि निर्धारित नहीं की गई है। सूत्रों का कहना है कि विभाग के अधिकारी दो से तीन दिन तीनों से पूछताछ कर सकते हैं।डायरी में करोड़ों रुपये का हिसाब है

आयकर विभाग के सामने सबसे बड़ी चुनौती लोकायुक्त छापे के अगले दिन मंडोरी गांव में खड़ी कार से मिले 54 किलो सोना, 10 करोड़ रुपये नकद और डायरी के संबंध में जानकारी उगलवाना है। डायरी में करोड़ों रुपये का हिसाब लिखा है।कई नेता और अधिकारियों के नाम सूत्रों का कहना है कि इसमें कई नेता अधिकारी और मध्यस्थों के नाम भी लिखे हैं। इस डायरी के आधार पर राज खुला तो सौरभ शर्मा के पूरे नेटवर्क का राजफाश हो जाएगा। उसे आगे बढ़ाने वाले किरदार भी सामने आ सकेंगे। विभाग ने पहले ही इन लोगों को पूछताछ के लिए नोटिस भेजने की तैयारी कर ली है, डायरी में जिनके नाम लिखे हैं। आयकर विभाग इसके पहले सौरभ शर्मा की मां उमा शर्मा, चेतन सिंह गौर, सौरभ के रिश्तेदार सहित कई लोगों से पूछताछ कर चुका है।पूछताछ नहीं हो पाने पर जांच रुकी सौरभ से पूछताछ नहीं हो पाने के कारण विभाग की जांच रुकी हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को आएंगे भोपाल, इन रास्तों पर डायवर्ट रहेगा ट्रैफिक

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को भोपाल आएंगे। प्रधानमंत्री के प्रवास के दौरान मार्ग परिवर्तित रहेंगे। यात्री बसों को भी परिवर्तित मार्गो से गुजारा जाएगा। इसके तहत स्टेट हैंगर से कुशाभऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर तक आवागमन के दौरान यात्री बसों की डायवर्सन व्यवस्था-(समय दोपहर ढाई बजे)।

हलालपुर तक आएंगी इंदौर, उज्जैन से आने वाली बसें

इंदौर, उज्जैन से आने-जाने वाली यात्री बसों का हलालपुर बस स्टैंड से आगे लालघाटी की ओर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। ये बसें हलालपुर बस स्टैंड पर समाप्त होंगी। राजगढ़-ब्यावरा मार्ग की ओर से हलालपुर बस स्टैंड आने-जाने वाली यात्री बसें मुबारकपुर बायपास तिराहा से खजूरी बायपास तिराहा से बैरागढ़ मार्ग होते हुए हलालपुर बस स्टैंड तक जा सकेंगी।नादरा बस स्टैंड यहां से जाएंगी बसें

राजगढ़-ब्यावरा मार्ग की ओर से नादरा बस स्टैंड आने-जाने वाली बसें मुबारकपुर बायपास तिराहा से गांधीनगर तिराहा, जेपी नगर तिरहा से नादरा बस स्टैंड की ओर आ-जा सकेंगी। मालवाहक, भारी, एवं अनुमति प्राप्त वाहन-(समय दोपहर ढाई बजे)। रोशनपुरा चौराहे से पोलीटेक्निक चौराहा, कमलापार्क, रेतघाट, लालघाटी, पॉलीटेक्निक चौराहा से गांधीपार्क तिराहा तक आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।वैकल्पिक मार्ग

बैरागढ़, राजाभोज विमानतल एवं राजगढ़-ब्यावरा की ओर आवागमन करने वाले वाहन भारतमाता चौराहा, भदभदा चौराहा, साक्षीढाबा तिराहा, नीलबड़ तिराहे से दाये मुड़कर, नाथू बरखेड़ा रोड, मुगालिया छाप, खजूरी सड़क, खजूरी बायपास तिराहा-मुबारकपुर चौराहा होकर आवागमन कर सकेंगे।

सीहोर-इंदौर की ओर आवागमन करने वाले वाहन भारतमाता चौराहा, भदभदा चौराहा, साक्षीढाबा तिराहा, नीलबड़, रातीबढ़, झागरिया होकर आवागमन कर सकेंगे।

इसके अतिरिक्त भोपाल शहर से सीहोर-इंदौर, राजगढ़-ब्यावरा एवं राजाभोज एयरपोर्ट की ओर जाने वाले प्रभात चौराहा, जेके रोड, रत्नागिरि, अयोध्या बायपास मार्ग, भानपुर, करोंद चौराहा, नई जेल, गांधीनगर तिराहा होकर आवागमन कर सकेंगे।

रोशनपुरा से भारत टॉकीज, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड की ओर जाने वाले दो पहिया एवं चार पहिया, जीप/कार बाणगंगा, मछलीघर, खटलापुरा, पीएचक्यू होते हुए भारत टॉकीज की ओर आवागमन कर सकेंगे।

रोशनपुरा से भारत टॉकीज, स्टेशन, बस स्टैंड की ओर जाने वाले दो पहिया एवं चार पहिया, मालवीय नगर तिराहा से विधायक विश्राम गृह, पुलिस कंट्रोल रूम तिराहा होकर आवागमन कर सकेंगे।

रोशनपुरा चौराहा से भारत टॉकीज, स्टेशन, बस स्टैंड की ओर जाने वाली मिनी बसें एवं बड़ी बसें अपैक्स बैंक, लिंक रोड नंबर-एक से होते हुए बोर्ड ऑफिस चौराहा, डीबी सिटी, प्रेस कॉम्पलेक्स, बीएसएनएल तिराहा होते हुए आवागमन कर सकेंगे।

रतलाम में थाना परिसर में युवक ने खुद को लगा ली आग, हालत गंभीर

रतलाम। रतलाम शहर के दीनदयाल नगर थाना क्षेत्र परिसर में 35 वर्षीय अजय पवार उर्फ अजय चोटी ने अपने शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। इससे वह बुरी तरह झुलस गया, उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद उसे इंदौर रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अजय सिंह को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा हुई थी, कुछ दिन पहले ही वह जेल से छूटकर आया है।पुलिस के अनुसार 6 व 7 सितंबर 2013 की रात ईश्वर नगर क्षेत्र में

ऑटो में आग लगाकर उसके चालक नरेंद्र सिंह की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच की थी, तो पता चला था कि हत्या आरोपित अजय पवार ने की है तथा ऑटो में आग भी उसने लगाई है।इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। मामले में अजय सिंह पवार को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा वर्ष 2016 में सुनाई थी। कुछ समय पहले वह जेल से छूट कर आया है। उक्त प्रकरण में मुकेश कटारा गवाह था।

9 जनवरी 2025 को अजय व मुकेश के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। अजय ने मुकेश कटारा और उसके साथियों के खिलाफ मारपीट करने का प्रकरण दीनदयाल नगर थाने में दर्ज कराया था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था। मामला 7 वर्ष से काम की सजा होने से आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई।शुक्रवार रात अजय सिंह नशे की हालत में पेट्रोल और माचिस लेकर दीनदयाल नगर थाने पहुंचा और दबाव बनाते हुए मुकेश व उसके साथियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगा, उसका कहना था कि उन्हें गिरफ्तार किया जाए। पुलिस ने उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन अजय ने बोतल से शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

पहले भी दी थी मरने की धमकी

पुलिसकर्मियों ने उसे बचाया तथा मेडिकल कॉलेज ले जाकर भर्ती कराया, जहां से उसे इंदौर रेफर कर दिया गया। अजय ने 6 फरवरी 2025 तथा 14 फरवरी 2025 को भी नशे की हालत में थाना परिसर में आकर मरने की धमकी दी थी। अजय सिंह के खिलाफ हत्या का प्रयास मारपीट के कुल 6 मामले पंजीबद्ध है। एसपी राकेश खाखा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को लैपटॉप उपलब्ध कराने से प्रदेश के उज्जवल भविष्य की संभावनाएं अधिक सशक्त होंगी - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि परिवार परंपरा में मां द्वारा अपने बच्चों को पुष्पित, पोषित करने में प्राप्त आनंद का शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता। इसी प्रकार प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान करने से जो आनंद प्राप्त हो रहा है, वह वर्णनातीत है, यह जीवन भर याद रहने वाली अनुभूति है। जैसे परिवार में सदस्यों का सभी संसाधनों पर अधिकार होता है, उसी प्रकार राज्य सरकार के सभी संसाधनों पर समाज के कमजोर से कमजोर तबके का अधिकार है। मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान करने से उनकी प्रतिभा निखरेगी, जिससे प्रदेश के उज्जवल भविष्य की संभावनाएं अधिक सशक्त होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के 89 हजार 710 मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप लेने के लिए 224 करोड़ की राशि अंतरित करने के लिए प्रशासन अकादमी भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सिंगल क्लिक से विद्यार्थियों के खातों में राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से कहा कि उन्हें उपलब्ध कराई जा रही 25-25 हजार रूपए राशि का उपयोग लैपटॉप क्रय में ही किया जाए। विद्यार्थी अपनी पसंद के अनुसार, अपनी इच्छानुसार स्थान से लैपटॉप लें और लैपटॉप खरीदने की रसीद अपनी शाला में आवश्यक रूप से जमा कराएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित तथा माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पौध भेंट कर उनका स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से संवाद किया तथा अपने उद्बोधन के माध्यम से उन्हें प्रोत्साहित भी किया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, भोपाल के प्रभारी तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य कुर काश्यप, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, श्री रवीन्द्र यती सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में विद्यमान गुरुकुल परंपरा जातियों और वर्ग भेद से मुक्त थी। सभी को समान रूप से सभी व्यवस्थाओं के लिए अधिकार देकर और प्रतिभाओं को निखार कर भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया जाता था। इसी की निरंतरता में आज प्रदान किया जा रहे लैपटॉप से विद्यार्थियों को अध्ययन तकनीक का उपयोग करते हुए ज्ञानार्जन और कौशल विकास में मदद मिलेगी। विद्यार्थियों में आगे बढ़ने के और नवाचार करने के लिए आत्मविश्वास विकसित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का अभिवादन करते हुए कहा कि यह सब उनकी सोच के परिणाम स्वरुप ही संभव हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इसराइल का उदाहरण देते हुए कहा कि अपने आसपास विद्यमान चुनौतियों का सामना करने के लिए वर्तमान परिस्थितियों में अद्यतन तकनीक के साथ चलना आवश्यक है। अपने देश के हितों की सुरक्षा और जन-जन के कल्याण के लिए तकनीकी रूप से दक्ष होना जरूरी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्व का विशालतम और श्रेष्ठतम लोकतंत्र भारत है। यह लोकतांत्रिक गणतंत्र लंबे संघर्ष के परिणाम स्वरूप स्थापित हुआ है। पृथ्वीराज चौहान, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, चंद्रशेखर आजाद, शहीदे आजम भगत सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस का देश निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन यह बताता है कि मेधावी होने के साथ-साथ देशभक्त होना जरूरी है। नेताजी ने अपनी मेधा के बल पर भारतीय प्रतिभा की प्रावीणयता को संपूर्ण विश्व में स्थापित किया और भारतीयों का आत्मविश्वास बढ़ाया। विद्यार्थी अपनी मेधा, प्रतिभा के साथ-साथ देश के सामने विद्यमान चुनौतियां और देश की जरूरत का भी ध्यान रखें और देश भक्ति के साथ अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर हों।

बहु-विषयक मंडल प्रशिक्षण संस्थान रतलाम भवन 'शून्य प्लस' लेवल प्रमाणन

इंदौर। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय द्वारा नेट जीरो और नेट पॉजिटिव भवनों के लिए शुन्य लेवलिंग प्रोग्राम की शुरूआत किया गया है जिसक उद्देश्य बड़े आकार के भवनों पर सोलर सिस्टम लगाकर भवन की उपयोगिता के अनुसार गैर परंपरागत ऊर्जा का उत्पादन कर परंपरागत ऊर्जा पर निर्भरता को कम करना है।

मंडल रेल प्रबंधक रतलाम के नेतृत्व एवं वरिष्ठमंडल बिजली इंजीनियर(पावर) श्री धर्मेन्द्र कुमार प्रजापति के निर्देशन में पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के विभिन्न सरकारी भवनों एवं रेलवे स्टेशनो पर रूफ टॉप सोलर सिस्टम लगाये गये हैं। इससे जहॉं एक ओर परंपरागत ऊर्जा पर निर्भरता में कमी आई है वहीं कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई है। इसी क्रम में रतलाम मंडल के रतलाम स्थित बहु विषयक मंडल प्रशिक्षण संस्थान में रूफ टॉप सोलर सिस्टम लगाया गया है जिससे प्रति वर्ष लगभग 53,960 किलोवाट घंटा गैर परंपरागत ऊर्जा का उत्पादन किया गया जबकि इस पूरे प्रशिक्षण परिसर जो लगभग 3097 वर्ग मीटर में फैला हुआ है, कि कुल ऊर्जा खपत लगभग 42,640 किलोवाट घंटा प्रति वर्ष है।

ओंकारेश्वर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए की जायेंगी और बेहतर व्यवस्थाएं

इंदौर। आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने ओंकारेश्वर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बैठक में बताया कि आगामी सिंहस्थ को देखते हुए ओंकारेश्वर हेतु विभिन्न निर्माण कार्य स्वीकृत हो गए हैं, जिसमें पुल, पुलिया, घाटों का निर्माण एवं परिक्रमा पथ का निर्माण कार्य शामिल हैं। संभागायुक्त श्री सिंह ने बताया कि ओंकारेश्वर में ममलेश्वर लोक का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने इसके आसपास हो रहे अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ओंकारेश्वर मंदिर एवं ममलेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए आ रहे श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए होल्डिंग एरिया भी बनाया जायेगा।

बैठक में बताया गया कि 31 मार्च से नाव में डीजल इंजन एवं शहर में प्लास्टिक का उपयोग प्रतिबंधित किया जायेगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये दर्शन हेतू वन-वे रूट बनाया जायेगा, जो पुराने बस स्टै?ड से प्रारंभ होगा। बैठक में ओंकारेश्वर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिये जरूरी सुविधाएं एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। इसके लिये ग्राम पंचायत कोठी, बिल्लौरा, मोरटक्का, थापना एवं आसपास की पंचायतों से प्रोपर्टी टैक्स वसूल करने के भी निर्देश दिए गये। इसके अलावा संभागायुक्त श्री सिंह ने ओंकारेश्वर में परिक्रमा पथ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परिक्रमा पथ पर हो रहे अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए, जिससे परिक्रमा पथ का विस्तार किया जा सके। बैठक में कलेक्टर खण्डवा श्री ऋषव गुप्ता, अपर कलेक्टर श्री अरविंद चौहान, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहरी श्री महेन्द्र तारणेकर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

दुधिया में बनेगा तीन करोड़ रूपये लागत का नया अस्पताल भवन

इंदौर। इंदौर शहर के समीप ग्राम दुधिया में लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का नवीन भवन बनाया जाएगा। राऊ विधानसभा क्षेत्र में स्थित यह अस्पताल 8 बिस्तरों की क्षमता का रहेगा। इसका भूमिपूजन आज यहां विधायक श्री मधु वर्मा ने किया।

इस नवीन भवन के साथ ही चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए आवास गृह भी बनाये जायेंगे। यह आवास गृह जी और एच टाईप के रहेंगे। उक्त निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग के भवन शाखा द्वारा किया जाएगा। उक्त कार्य की लागत 2 करोड़ 95 लाख रुपये से अधिक है। यह कार्य 8 माह में पूर्ण होगा। अस्पताल में महिला एवं पुरुषों के लिए पृथक-पृथक वार्ड होंगे। प्रत्येक वार्ड में चार-चार बिस्तर रहेंगे। अस्पताल में माईनर ओ.टी., लेबर रूम, ऑफिस, स्टोर, प्रयोगशाला, मेडिकल ऑफिसर चेम्बर, महिला एवं पुरुषों के लिये पृथक-पृथक शौचालयों की व्यवस्था रहेगी। भूमिपूजन अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष श्री रवि रावलिया तथा लोक निर्माण विभाग पीआईयू के कार्यपालन यंत्री श्री अजय यादव सहित अन्य अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

इंदौर में चोखी ढाणी, मेरिएट और फिनिक्स का ओएएम परोस रहे थे घटिया खाना

इंदौर। यदि आप बड़े नाम देखकर शहर के रेस्टोरेंट में खाना खाने जा रहे हैं तो सावधान हो जाएं। ये सिर्फ नाम से ही बड़े हैं, इनके यहां मिलने वाला खाना न तो शुद्ध है और न ही सेहत के लिए सुरक्षित। ये बड़े नाम आपकी जान से खिलवाड़ कर रहे हैं।

शुक्रवार को जिला प्रशासन ने चोखी ढाणी, मेरिएट के फेयरफील्ड और फिनिक्स माल में संचालित ओएएम इंडस्ट्री जैसे प्रतिष्ठानों पर अमानक खाद्य सामग्री परोसने पर कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये का जुर्माना ठोका है।50 से ज्यादा जगह जांच कीप्रशासन ने ऐसे 50 से अधिक प्रतिष्ठानों की जांच की, जिसमें से 26 में अनियमितता मिलने पर 22 लाख रुपये का जुर्माना किया है। यह सैंपल भोपाल स्थित राज्य प्रयोगशाला में भेजे गए थे। इसके अलावा नामी पान विलास मसाला के खिलाफ भी मिस ब्रांड माल बेचने पर कार्रवाई की है।सालभर में एक करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला- अधिकारियों ने बताया कि वर्षभर में करीब एक करोड़ रुपये की जुर्माना राशि वसूली जा चुकी है। यह अब तक की सबसे अधिक वसूली जाने वाली राशि रही है। अपर कलेक्टर गौरव बेनल ने बताया कि जनवरी 2023 से अब तक एक करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला जा चुका है। खानपान में शुद्धता बनी रहे, इसके लिए हमारी टीम नियमित सैंपलिंग लेने की कार्रवाई करती है। यदि सैंपल फेल होता है, तो अमानक व मिथ्याछाप खाद्य सामग्री पाई जाती है। ऐसे प्रतिष्ठानों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।सच्चा मोती पोहा भी मिलावटी- खाद्य विभाग की टीम ने जांच के दौरान लसूड़िया मोरी स्थित यूनाईटेड कंपाउंड से पोहे के सैंपल लिए थे। इसकी रिपोर्ट में मिलावट सामने आई है। यह गोडाउन साबू संस के नाम से है। यहां से अमानक सच्चा मोती पोहा (पैक), मिथ्याछाप पोहा आदि का संग्रहण और विक्रय करना पाया गया। जिसपर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

महाशिवरात्रि के तहत महाकाल मंदिर में दर्शन व्यवस्था का बनाया गया प्लान

11 ब्राम्हणों द्वारा श्री महाकालेश्वर भगवान का अभिषेक एकादश-एकादशनी रूद्रपाठ से किया गया

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा महाशिवरात्रि पर्व 2025 के संबंध में आज दिनांक 22 फरवरी 2025 को सायं 05.00 बजे त्रिवेणी संग्रहालय के आडिटोरियम मे कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री महाकालेश्वर मंदिर पबंध समिति नीरज कुमार सिंह की अध्यक्षता में पत्रकारवार्ता आयोजित की गई। पत्रकारवार्ता में प्रशासक श्री प्रथम कौशिक द्वारा महाशिवरात्रि पर्व 2025 में दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं हेतु की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृप्त जानकारी प्रदान की गई। पत्रकार वार्ता में पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा व कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री नीरज कुमार सिंह द्वारा पत्रकारों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिये गये। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा महाशिवरात्रि पर्व पर आगन्तुक श्रद्धालुओं के दर्शन हेतु व्यवस्थाए निर्धारित की गई है जो निम्नानुसार है।

श्रद्धालुओं के प्रवेश व्यवस्था

सामान्य दर्शन प्रवेश श्री महाकालेश्वर मंदिर में आगंतुक श्रद्धालुओं के सरल सुलभ दर्शन की व्यवस्था हेतु भील समाज की धर्मशाला से नृसिंह घाट तिराहे पर स्थित गंगौत्री गार्डन से मंदिर में प्रवेश हेतु द्वार निर्धारित किया जाना है। आगंतुक रामस्त श्रद्धालु उक्त द्वार से प्रवेश कर टंकी वाले मार्ग से त्रिवेणी संग्रहालय की ओर त्रिवेणी संग्रहालय महालोक मानसरोवर भवन में प्रवेश कर फेरोलिटी सेंटर-01 नवीन टनल चारधाम मंदिर पानी की नंदी मण्डपम् महाकाल कार्तिक मण्डपम् गणेश मण्डपम् से बाबा महाकाल के दर्शन कर सकेंगे। दर्शन उपरांत आपातकालीन निर्गम द्वार बड़ा गणेश मंदिर बड़ा गणेश मंदिर हरसिद्धि चौराहा झालरिया मठ के रास्ते बाहर की ओर प्रस्थान करेंगे।

महाशिवरात्रि पर्व 2026 के उपलक्ष्य पर शीघ्र दर्शन (रू. 250) राशि बंद रखे जायेंगे।

भस्मार्ती में श्रद्धालुओं के प्रवेश व्यवस्था

महाशिवरात्रि पर्व 2025 के उपलक्ष्य पर भस्मार्ती में पंजीयनधारी श्रद्धालुओं के प्रवेश संबंधी व्यवस्था मानसरोवर भवन एवं द्वार नंबर 01 से निर्धारित रहेगी।

विशिष्ट / अतिविशिष्ट / मीडिया कर्मियों की व्यवस्था

महाशिवरात्रि पर्व 2025 के उपलक्ष्य पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में आगंतुक विशिष्ट/अति विशिष्ट/मीडियाकर्मी नीलकण्ठ मार्ग से होते सत्कार कक्ष में पहुंचेंगे तदुपरांत निर्माल्य द्वार से मंदिर में प्रवेश कर, कोटीतीर्थ कुण्ड के समीप से होते हुए, नगाड़ा गेट से गणेश मण्डपम् के प्रथम बैरिकेट से भगवान श्री महाकालेश्वर जी के दर्शन करेंगे एवं दर्शन उपरांत पुनः इसी मार्ग से बाहर की ओर प्रस्थान करेंगे।

श्रद्धालुओं की भीड़ नियत्रंण संबंधी व्यवस्था

महाशिवरात्रि पर्व 2025 पर भीड़ नियंत्रण एवं आगन्तुक श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था हेतु पर्याप्त संख्या में कार्यपालिक दण्डाधिकारियों, पुलिसकर्मियों, पटवारियों, आर.आई.. मंदिर कर्मचारी, होमगार्ड जवान एवं सुरक्षाकमियों को पाबंद किया जावेगा।

आचार्य 108 विशुध्दसागरजी महाराज के श्री चरणों में उज्जैन जैन समाज ने भेंट किया श्रीफल

उज्जैन। गुरु भगवंत आचार्य 108 विशुध्दसागर जी महाराज के पावन श्री चरणों में मुंबई महानगर के खारघर मे उपस्थित होकर उज्जैन जैन समाज की ओर से ग्रीष्म कालीन वाचना हेतु तथा फेडरेशन के राष्ट्रीय अधिवेशन की सफलता के साथ अतिशय क्षेत्र जयसिंहपुरा जिनालय के शिलान्यास समारोह हेतु श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

उज्जैन से गए प्रतिनिधि मंडल में अनिल गंगवाल, शांति कुमार कासलीवाल, प्रदीप झांझरी, शैलेन्द्र जैसवाल के साथ ही फेडरेशन के होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन के सेकेट्री अभिषेक विनायका ने उज्जैन का प्रतिनिधित्व करते हुवे सुमतिधाम पट्टाचार्य कार्यक्रम के पश्चात उज्जैन प्रवास हेतु निवेदन करते हुवे अतिशय क्षेत्र जयसिंहपुरा जिनालय की प्लानिंग से अवगत कराया। साथ ही अतिशय क्षेत्र पर जिनालय के जीर्णोद्धार कार्यक्रम के शिलान्यास के साथ ही उज्जैन नगर में ग्रीष्मकालीन वाचना हेतु निवेदन किया। फेडरेशन के राष्ट्रीय अधिवेशन के सचिव अभिषेक विनायका ने अधिवेशन की जानकारी देते हुवे कार्यक्रम की सफलता हेतु आशीर्वाद मांगा। मुनिश्री ने सभी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उज्जैन जैन समाज की गुरुभक्ति की सराहना की तथा फेडरेशन के कार्यक्रम की सफलता का आशीर्वाद प्रदान करते हुवे अतिशय क्षेत्र के जीर्णोद्धार हेतु अपना मंगल आशीष प्रदान किया। इंदौर नगर सुमतिधाम में 27 अप्रैल से 2 मई को पट्टाचार्य महोत्सव में पट्टाचार्य पद ग्रहण करने के बाद प्रथम कार्यक्रम उज्जैन को मिलने की पूर्ण संभावना के चलते नगर की जैन समाज मे अपूर्व उत्साह का माहौल है।

महाशिवरात्री पर रामेश्वर महादेव मंदिर पर होगा सामूहिक कालसर्प दोष महापूजन

उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी अवंतिका में शिवरात्रि महापर्व पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी शिप्रा किनारे स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर पर रामेश्वर महादेव एवं विराट हनुमान भक्त मंडल द्वारा पंडित डॉ विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ल के आचार्यत्व में भव्य सामूहिक कालसर्प दोष महापूजन का आयोजन किया जाएगा।

शिवरात्रि महापर्व पर सुबह से ही रामेश्वर महादेव मंदिर पर धार्मिक अनुष्ठान होंगे। पंडित डॉ विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ल एवं ब्राह्मणों द्वारा रामेश्वर महादेव का पंचामृत अभिषेक कर पूजन प्रारंभ होगा। बता दें कि बाबा महाकाल के नगरी अवंतिका में रामेश्वर महादेव मंदिर में स्थित शिवलिंग पूरे विश्व में केवल एक ही ऐसा शिवलिंग है जो अपनी धरा पर चारों दिशाओं में घूमता है।

अखिल भारतीय मराठा युवक युवती परिचय सम्मेलन आज

उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में अखिल भारतीय मराठा युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन आज किया जाएगा।

श्री क्षत्रिय मराठा समाज उज्जैन के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर हाईटेक युवक-युवती परिचय सम्मेलन 23 फरवरी को प्रातः 10 बजे आनंद मांगलिक परिसर 21 मक्सी रोड, उदयन मार्ग अग्रसेन नगर उज्जैन में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर कई मीटिंग की गई। जिसमें समिति के सभी पदाधिकारियों के साथ ही कई समाजजन शामिल हुए। इसमें सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार और सुझाव भी दिए। प्रत्याशियों की प्रविष्ठियां हेतु इस सम्मेलन में आने के लिए भारत ही नही विदेशों से भी अपनी रुचि दिखायी। समाज अध्यक्ष अशोक कदम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनीता पाटिल, उपाध्यक्ष मुकेश शिंदे, सचिव रणजीत राव सपकाले ने समाजजनों से सम्मेलन में पधारकर उक्त परिचय सम्मेलन सफल बनाने का अनुरोध किया है।

'वर्णागम शिविर' में संस्कृत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक-भ्रमण

उज्जैन। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत साहित्य विभाग द्वारा कालिदास अकादमी में 17 से 24 फरवरी तक आयोजित 'वर्णागम शिविर' में विद्यार्थियों के लिये शैक्षणिक-भ्रमण का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. सीमा शर्मा ने बताया कि संस्कृत और चित्रकला का घनिष्ठ सम्बन्ध है। विद्यार्थियों को प्राचीन भारतीय कलाओं के बारे में जानने और सीखने के लिये प्रेरित करने हेतु इस शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। आयोजन में अकादमी की उपनिदेशक डॉ. योगेश्वरी फिरोजिया और राजस्थान से आये चित्रकारों ने उपस्थित विद्यार्थियों को राजस्थान की फड़ शैली के चित्रांकन के बारे विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर महाविद्यालय के आचार्य डॉ. सदानन्द त्रिपाठी, यश शर्मा, डॉ. श्रेयस कोरान्ने, डॉ. गणेश प्रसाद द्विवेदी, डॉ. मनीष पंवार, रमाशंकर कोल, सुरितराम ध्रुव, आदित्य पंड्या सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में एथिक्स की भूमिका निष्पक्ष और मानवीय भलाई दिशा में हो - डॉ. लारेन शेबाशिर

विक्रम विश्वविद्यालय में विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर द्विस्तरीय कार्य्रकम आयोजित

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान संस्थान में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन हेल्थकेयर' विषय पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा पीएम-उषा योजना के अंतर्गत प्रायोजित इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु, प्रो. अर्पण भारद्वाज ने इस आयोजन की सार्थकता को रेखांकित करते हुए कंप्यूटर विज्ञान संस्थान के प्रयासों की सराहना की एवं छात्रों को समग्र विकास के लिए इस प्रकार के आयोजनों में सहभागिता हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शिक्षको एवं छात्रों के लिए अत्यंत ही उपयोगी साबित होगा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विषय प्रवर्तन करते हुए, प्रोद्योगिकी विज्ञान संकाय के संकाय-अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार सिंह ने संगोष्ठी के उद्देश्य एवं रूप-रेखा प्रस्तुत की। मुख्य विषय-विशेषज्ञ एवं मुख्य-वक्ता, आइवानसिटी स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस, फ्रांस के इंटरनेशनल डेवलपमेंट डायरेक्टर, डॉ. लारेन शेबाशिर ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज हमारे जीवन के हर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहा है, लेकिन हमें प्रोद्योगिकी के साथ-साथ एथिकल आस्पेक्ट्स को भी ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर यह तकनीक हमारे जीवन को सरल और अधिक प्रभावी बना रही है, वहीं दूसरी ओर इससे जुड़ी एथिकल (नैतिक) जिम्मेदारियाँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती हैं। इस अवसर पर पीएम-उषा योजना के नोडल ऑफिसर डॉ. कमलेश दसोरा ने पीएम-उषा योजना के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रदान की।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनिकी सत्र में मुख्य विषय विशेषज्ञ, डॉ. लारेन शेबाशिर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भविष्य में होने वाले परिवर्तनों एवं इससे कारण निर्मित होने वाले विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसरों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया।

इंटरैक्टिव सत्र में डॉ. लारेन शेबाशिर ने प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान करते हुए बताया की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग में एथिकल मुद्दों पर ध्यान देना इसलिए ज़रूरी है क्योंकि यह सीधे तौर पर समाज के हर वर्ग को प्रभावित करता है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com